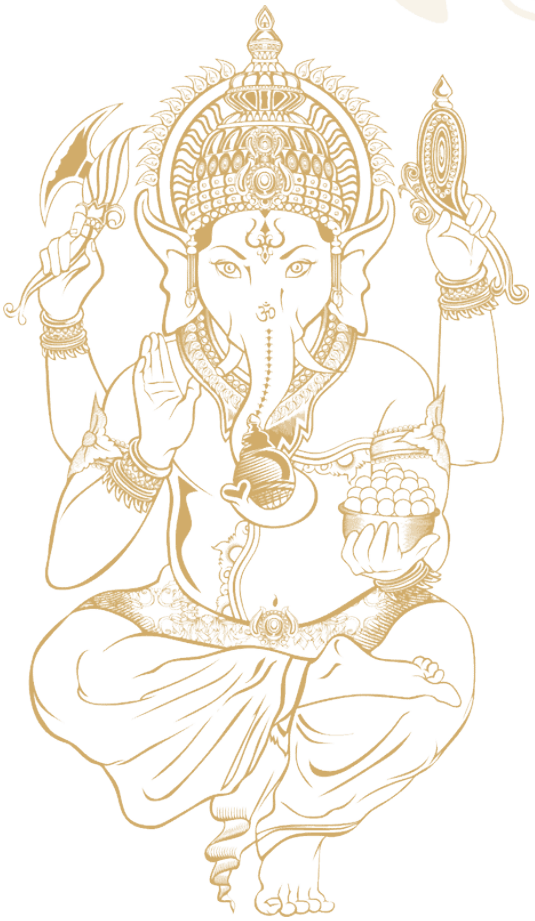

Mr.om Prakash lakhera

18 Dec 1971

05:30 PM

Pauri Garhwal

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 119644902

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
18/12/1971	जन्म तिथि	**18/12/2025**
शनिवार	दिन	गुरुवार
घंटे 17:30:59	जन्म समय	13:51:58 घंटे
घटी 26:05:09	जन्म समय(घटी)	16:56:19 घटी
India	देश	India
Pauri Garhwal	स्थान	Pauri Garhwal
उत्तर 30:08:00	अक्षांश	30:08:00 उत्तर
पूर्व 78:48:00	रेखांश	78:48:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:14:48	स्थानिक संस्कार	-00:14:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:04:55	सूर्योदय	07:05:26
17:17:16	सूर्यास्त	17:17:40
23:28:09	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:16

मिथुन	लग्न	मेष
बुध	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
धनु	राशि	वृश्चिक
गुरु	राशि-स्वामी	मंगल
मूल	नक्षत्र	अनुराधा
केतु	नक्षत्र स्वामी	शनि
4	चरण	4
गण्ड	योग	धृति
बव	करण	विष्टि
भी-भीमा	जन्म नामाक्षर	ने-नैनी
धनु	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु
क्षत्रिय	वर्ण	विप्र
मानव	वश्य	कीटक
श्वान	योनि	मृग
राक्षस	गण	देव
आद्य	नाड़ी	मध्य
मूषक	वर्ग	सर्प
54	गत/तत्कालिक वर्ष	55

9810781029
Oplakhera72@gmail.com

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ
मृगशिरा	4	06:35:59	मिथु		
मूल	1	02:26:24	धनु		
मूल	4	10:44:28	धनु		
पू०भाद्रपद	4	01:16:11	मीन		
ज्येष्ठा	2	20:09:13	वृश्चि	व	
ज्येष्ठा	3	25:51:12	वृश्चि		अ
उत्तराषाढ़ा	2	00:37:00	मक		
कृतिका	4	07:47:50	वृष	व	
श्रवण	1	12:13:54	मक	व	
पुष्य	3	12:13:54	कर्क	व	
चित्रा	1	24:15:42	कन्या		

वर्ष - विवरण

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
लग्न			मेष	06:15:13	2	अश्विनी
सूर्य			धनु	02:26:24	1	मूल
चंद्र			वृश्चि	13:33:58	4	अनुराधा
मंगल		अ	धनु	08:04:13	3	मूल
बुध			वृश्चि	14:17:27	4	अनुराधा
गुरु	व		मिथु	28:47:40	3	पुनर्वसु
शुक्र		अ	वृश्चि	27:48:11	4	ज्येष्ठा
शनि			मीन	01:18:03	4	पू०भाद्रपद
राहु	व		कुंभ	18:07:25	4	शतभिषा
केतु	व		सिंह	18:07:25	2	पू०फाल्गुनी
मु		अ	धनु	06:35:59	2	मूल

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:16

लग्न-चलित

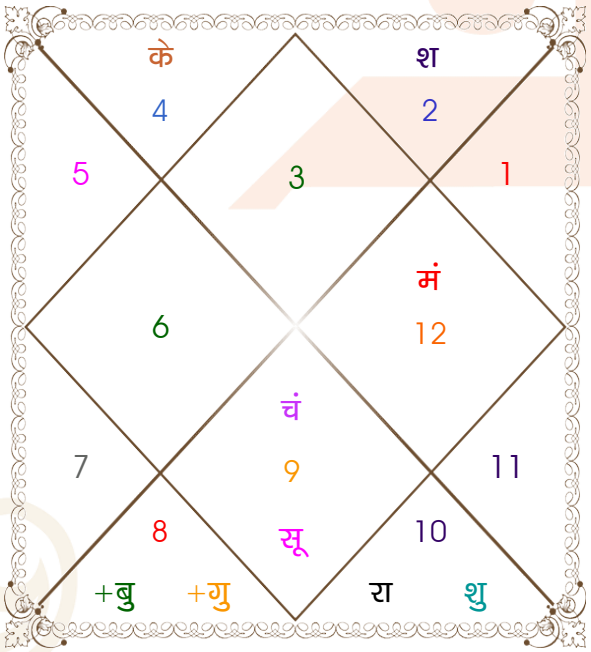

वर्ष लग्न कुंडली

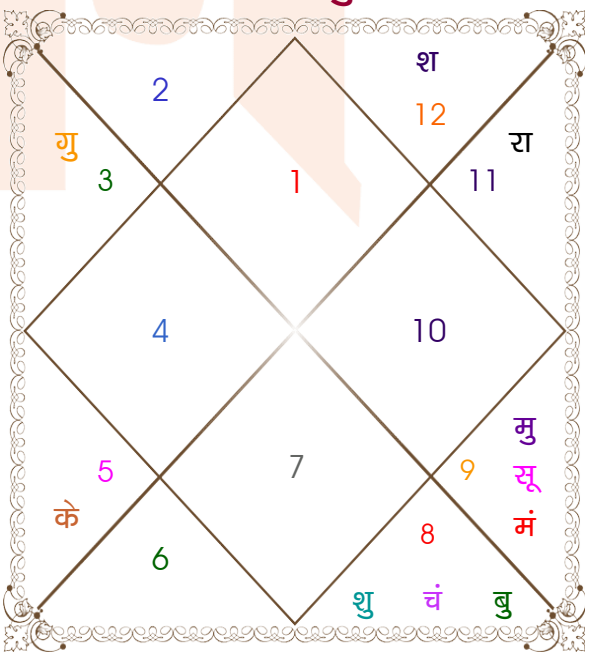

9810781029
Oplakhera72@gmail.com

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

राहु - बुध - राहु	
12/09/2025 07:38	
30/01/2026 00:38	
राहु	03/10/2025 06:35
गुरु	21/10/2025 21:39
शनि	13/11/2025 00:32
बुध	02/12/2025 19:33
केतु	10/12/2025 23:08
शुक्र	03/01/2026 05:58
सूर्य	10/01/2026 05:37
चंद्र	21/01/2026 21:02
मंगल	30/01/2026 00:38

राहु - बुध - गुरु	
30/01/2026 00:38	
03/06/2026 05:04	
गुरु	15/02/2026 14:01
शनि	07/03/2026 05:55
बुध	24/03/2026 20:09
केतु	01/04/2026 02:01
शुक्र	21/04/2026 18:45
सूर्य	27/04/2026 23:46
चंद्र	08/05/2026 08:09
मंगल	15/05/2026 14:00
राहु	03/06/2026 05:04

राहु - बुध - शनि	
03/06/2026 05:04	
28/10/2026 16:20	
शनि	26/06/2026 13:27
बुध	17/07/2026 10:51
केतु	26/07/2026 01:18
शुक्र	19/08/2026 15:11
सूर्य	27/08/2026 00:09
चंद्र	08/09/2026 07:05
मंगल	16/09/2026 21:33
राहु	09/10/2026 00:26
गुरु	28/10/2026 16:20

राहु - केतु - केतु	
28/10/2026 16:20	
20/11/2026 01:15	
केतु	29/10/2026 23:40
शुक्र	02/11/2026 17:09
सूर्य	03/11/2026 20:00
चंद्र	05/11/2026 16:44
मंगल	07/11/2026 00:03
राहु	10/11/2026 08:36
गुरु	13/11/2026 08:11
शनि	16/11/2026 21:12
बुध	20/11/2026 01:15

राहु - केतु - शुक्र	
20/11/2026 01:15	
22/01/2027 23:18	
शुक्र	30/11/2026 16:56
सूर्य	03/12/2026 21:38
चंद्र	09/12/2026 05:28
मंगल	12/12/2026 22:58
राहु	22/12/2026 13:04
गुरु	31/12/2026 01:36
शनि	10/01/2027 04:30
बुध	19/01/2027 05:49
केतु	22/01/2027 23:18

राहु - केतु - सूर्य	
22/01/2027 23:18	
11/02/2027 03:31	
सूर्य	23/01/2027 22:19
चंद्र	25/01/2027 12:40
मंगल	26/01/2027 15:31
राहु	29/01/2027 12:33
गुरु	01/02/2027 01:55
शनि	04/02/2027 02:47
बुध	06/02/2027 19:58
केतु	07/02/2027 22:49
शुक्र	11/02/2027 03:31

राहु - केतु - चंद्र	
11/02/2027 03:31	
15/03/2027 02:33	
चंद्र	13/02/2027 19:26
मंगल	15/02/2027 16:11
राहु	20/02/2027 11:14
गुरु	24/02/2027 17:30
शनि	01/03/2027 18:57
बुध	06/03/2027 07:37
केतु	08/03/2027 04:22
शुक्र	13/03/2027 12:12
सूर्य	15/03/2027 02:33

राहु - केतु - मंगल	
15/03/2027 02:33	
06/04/2027 11:28	
मंगल	16/03/2027 09:52
राहु	19/03/2027 18:24
गुरु	22/03/2027 18:00
शनि	26/03/2027 07:00
बुध	29/03/2027 11:04
केतु	30/03/2027 18:23
शुक्र	03/04/2027 11:53
सूर्य	04/04/2027 14:43
चंद्र	06/04/2027 11:28

राहु - केतु - राहु	
06/04/2027 11:28	
03/06/2027 00:07	
राहु	15/04/2027 02:34
गुरु	22/04/2027 18:39
शनि	01/05/2027 21:15
बुध	10/05/2027 00:50
केतु	13/05/2027 09:23
शुक्र	22/05/2027 23:29
सूर्य	25/05/2027 20:31
चंद्र	30/05/2027 15:34
मंगल	03/06/2027 00:07

राहु - केतु - गुरु	
03/06/2027 00:07	
24/07/2027 03:21	
गुरु	09/06/2027 19:45
शनि	17/06/2027 22:03
बुध	25/06/2027 03:55
केतु	28/06/2027 03:30
शुक्र	06/07/2027 16:03
सूर्य	09/07/2027 05:24
चंद्र	13/07/2027 11:40
मंगल	16/07/2027 11:16
राहु	24/07/2027 03:21

राहु - केतु - शनि	
24/07/2027 03:21	
22/09/2027 20:42	
शनि	02/08/2027 18:06
बुध	11/08/2027 08:33
केतु	14/08/2027 21:34
शुक्र	25/08/2027 00:27
सूर्य	28/08/2027 01:19
चंद्र	02/09/2027 02:46
मंगल	05/09/2027 15:47
राहु	14/09/2027 18:23
गुरु	22/09/2027 20:42

राहु - केतु - बुध	
22/09/2027 20:42	
16/11/2027 04:38	
बुध	30/09/2027 13:25
केतु	03/10/2027 17:29
शुक्र	12/10/2027 18:49
सूर्य	15/10/2027 12:00
चंद्र	20/10/2027 00:40
मंगल	23/10/2027 04:44
राहु	31/10/2027 08:19
गुरु	07/11/2027 14:11
शनि	16/11/2027 04:38

9810781029
Oplakhera72@gmail.com

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा उत्साह एवं परिश्रम पूर्वक आपके समस्त शुभ एवं सांसारिक कार्य सम्पन्न होंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक स्थिति भी इस समय अच्छी रहेगी तथा मन में शान्ति एवं सन्तुष्टि बनी रहेगी। इस वर्ष में व्यक्तिगत सुख शान्ति तथा समृद्धि बनी रहेगी तथा पारिवारिक जनों से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा। संतति पक्ष से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा अपने कार्य क्षेत्र में उन्नतिशील रहेंगे। साथ ही इस वर्ष में आपको पुत्र संतति की प्राप्ति भी हो सकती है। धर्म के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों को आप सम्पन्न करते रहेंगे। साथ ही धार्मिक नेताओं से सम्पर्क एवं तीर्थयात्रा के भी योग बनेंगे। इस समय आपकी बुद्धि तीक्ष्ण रहेगी तथा सभी लोग आपकी बुद्धिमता से प्रभावित रहेंगे तथा आप पर पूर्ण विश्वास करेंगे। अतः आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा तथा यश में अभिवृद्धि होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए भी यह वर्ष उत्तम रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी इच्छित उन्नति एवं विस्तार होगा तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त होंगे। साथ ही राज्य या सरकार के द्वारा आपको कोई विशिष्ट सम्मान भी प्राप्त हो सकता है। नौकरी या राजनीति में भी इस समय आपको महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपको यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। शत्रु या विरोधी पक्ष को इस समय आप पराजित करेंगे तथा नवीन आय स्रोतों में वृद्धि करके आर्थिक रूप से सुदृढ़ रहेंगे। साथ ही कोई विशष्ट लाभ भी हो सकता है। अतः यह समय आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्य शाली रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक आपका समय व्यतीत होगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य उतम रहेगा तथा मानसिक प्रसन्नता भी बनी रहेगी। साथ ही आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न होंगे। इस समय आपकी बुद्धि में तीव्रता रहेगी तथा सभी लोग आपकी बुद्धि का प्रभाव स्वीकार करेंगे। धर्म तथा धार्मिक कार्यों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा देवता एवं ब्राहमणों की आप नियम पूर्वक पूजा तथा सेवा करने में तत्पर रहेंगे। इस समय आपको संतति पक्ष से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा अपने कार्य क्षेत्र में वे पूर्ण सफलता अर्जित करेंगे। साथ ही पुत्र संतति की भी इस समय प्राप्ति की संभावना रहेगी। इस वर्ष में आपका धनार्जन प्रचुर मात्रा में रहेगा तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। अतः आर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति तथा सफलता की दृष्टि से वर्ष अनुकूल रहेगा। इस समय आपके सौभाग्य में वृद्धि होगी तथा अधिकांश विगत रुके हुए कार्यो में भी आपको सफलता मिलेगी। नौकरी या राजनीति में आपके वरिष्ठ अधिकारी तथा नेता आपसे सन्तुष्ट रहेंगे फलतः किसी उच्च तथा प्रभावशाली पद पर आपकी उन्नति हो सकती है। साथ ही इनसे आपको पूर्ण सहयोग एवं लाभ भी मिलेगा जिससे आपका यश दूर दूर तक व्याप्त होगा। इसके अतिरिक्त सभी पारिवारिक जनों , बन्धु एवं मित्रों से भी आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे वांछित सहयोग तथा लाभ मिलता रहेगा। अतः आपका लिए यह वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा।